(ङ) टी० एफ० ए० आई० भारतीय वस्तुओं तथा प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन करने के लिए वर्ष में 35/40 विदेशी मेलों में भाग लेता है । वह क्रेताओं को आकृष्ट करने के लिए भारत में वर्ष में लगभग 15 मेलों की भी व्यवस्था करता है । निर्यात संवर्धन की दृष्टि से हमारे विदेश मिशनों के माध्यम से भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में विदेशी व्यापार प्रतिनिधि मंडल आमंत्रित किए जाते है । इसके अतिरिक्त विभिन्न व्यापार जर्नलों के माध्यम से भारत की निर्यात क्षमता को दर्शाकर विदेशों में प्रचार भी किया जाता है । फोरेन चैम्बर्स ऑफ कामर्स, ट्रेड एसोसिएशनों से व्यापारी दर्शकों को भेजने के लिए अनुरोध किया जाता है । विदेशों में हमारे मिशनों के वाणिज्यिक स्कंधों, व्यापार विकास प्राधिकरण और इंजीनियरी निर्यात संवर्धन परिषद् तथा निर्यात संवर्धन संगठन भी भारतीय उत्पादों का निर्यात बढ़ाने के लिए कार्य करते हैं ।

371. [*Transferred to the 2nd December*, 1991]

Export Policy

372. PROF. SAURIN BHATTACHARYA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the export-trade of the country has not indicated any sign of improvement since the past three months despite repeated relaxation in the export policy;

(b) whether some of the overseas buyers are refusing to entertain Indian goods unless substantial imports are undertaken by the Indian importers;

(c) whether Government have taken effective measures in the matter; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) No, Sir. According to provisional figures, the monthly level of exports have increased from Rs. 2573 crores in June 1991 to Rs. 3313 crores in July 1991, to Rs. 3441 crores in August 1991 and further to Rs. 3656 crores in September, 1991.

(b) No such specific case has been brought to the notice of the Government.

(c) and (d) Does not arise.

373. [*Transferred to the 6th December*, 1991]

Setting up of export promotion cell or Directorate by the State Governments

374. SHRI GHUFRAN AZAM: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Government have directed State Governments to set up separate export promotion cells or directorate of export promotion to deal exclusively with the problems faced by exporters;

(b) if so, whether any of the State Governments have set up the said export promotion cell or directorate; and

(c) what is the extent to which the exports will increase as a result of this step of the Central Government?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) Yes, Sir. Various State Governments have been requested to set up separate export promotion cells or directorates in the State Secretariat to deal with the problems of exporters.

(b) Yes, Sir. According to replies received the following States have created export promotion set-up;

Orissa, Haryana, Punjab, Uttar Pradesh.

(c) It is not possible to quantify the extent to which export will increase as a result of this step.

उपभोक्ता वस्तुओं की उपलब्धता से संबंधित नई वाणिज्यिक और उत्पाद शुल्क नीति का प्रभाव

375. **डा० अबरार अहमद :** क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हमारी नई वाणिज्यिक और आयात-निर्यात नीति को पिछले तीन माह के दौरान भारत के विदेश व्यापार पर क्या प्रभाव पड़ा है ;

(ख) क्या यह सच है कि पिछले वर्षों के मुकाबले गत तीन माह के दौरान देश के औसत निर्यात में गिरावट आई है ; यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) उन उपभोक्ता वस्तुओं के नाम क्या हैं जिनका हो निर्यात करते हैं और जो पर्याप्त रूप से हमारे देश में उपलब्ध नहीं हैं ; और

(घ) क्या सरकार आंतरिक और बाहरी बाजारों में इन वस्तुओं का संतुलन बनाए रखने के लिये कुछ कदम उठाने का विचार रखती है ?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम) : (क) अनन्तिम व्यापार आंकड़े सितम्बर, 1991 तक के उपलब्ध हैं । नई सरकार द्वारा शुरू किए गए व्यापार सुधारों के परिणामस्वरूप निर्यात के मासिक स्तर जून 1991 में 2573 करोड़ रुपये से बढ़कर जुलाई 1991 में 3313 करोड़ रुपए, अगस्त, 1991 में 3441 करोड़ रुपए तथा सितम्बर, 1991 में 3656 करोड़ करोड़ रुपए पर पहुंच गया ।

(ख) जुलाई-सितम्बर 1991 की तिमाही के दौरान मासिक औसत निर्यात 3470 करोड़ रुपये का हुआ जो वर्ष 1990 में इसी अवधि के दौरान हुए 2501 करोड़ रुपए और 1989 में इसी अवधि के दौरान हुए 2066 करोड़ रुपये के मासिक औसत निर्यात से अधिक था ।

(ग) ऐसी किसी मद का निर्यात नहीं किया जाता है ।

(घ) केवल ऐसी ही मदों के निर्यात को अनुमति दी जाती है जो निर्यात के लिए पर्याप्त मात्रा में बेशी हैं । ऐसा करते समय आंतरिक बाजार में मांग और उपलब्धता को ध्यान में रखा जाता है ।

भारतीय विदेश व्यापार पर खाड़ी युद्ध का प्रभाव

376. **डा० अबरार अहमद :** क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले वर्ष हुए खाड़ी युद्ध के कारण खाड़ी देश से किये जाने वाले आयात और निर्यात में किस सीमा तक गिरावट आई है तथा इसके परिणामस्वरूप हमारे देश को कितनी हानि हुई ;

(ख) क्या इराक पर संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा पाबंदियां लगाये जाने के कारण भारतीय व्यापार भी प्रभावित हुआ है ;

(ग) यदि हां, तो भारतीय व्यापार पर इसका क्या प्रभाव पड़ा है तथा इन पाबंदियों के कारण भारत को हुई हानि का ब्यौरा क्या है ; और

(घ) क्या कुवैत के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया में भारत को कुछ महत्वपूर्ण वस्तुएं कुवैत को निर्यात करने के आर्डर प्राप्त हुए हैं ; यदि हां, तो कुवैत को निर्यात की जाने वाली वस्तुओं का ब्यौरा क्या है ?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम) : (क) वर्ष 1989-90 तथा 1990-91 के दौरान खाड़ी देशों के साथ भारत के व्यापार को दर्शाने वाला विवरणपत्र संलग्न है । **(नीचे देखिए)** ।